

RAJYA SABHA

Friday, the 8th May, 1970/the 18th Vaisaka,
1870 (Saka).

The House ; let at eleven of the Clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

भारतीय नेताओं के संबन्ध में वृत्त चित्र

*266. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री
यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन भारतीय नेताओं के
जीवन के आधार पर सरकार द्वारा अब तक
वृत्त-चित्र बनाए गए हैं और किन-किन व्यक्तियों
के संबन्ध में भविष्य में वृत्त-चित्र बनाए जा
रहे हैं ;

(ख) किन-किन धार्मिक शैक्षणिक और
ऐतिहासिक व्यक्तियों पर वृत्त-चित्र बनाए जा
रहे हैं ; और

(ग) ऐसे वृत्त-चित्र बनाने की कसौटी
क्या है ?

•(1) DOCUMENTARY FILMS ON INDIAN LEADERS

*266. SHRI J. P. YADAV : Will the
Minister of INFORMATION AND
BROADCASTS AND COMMUNI-
CATIONS be pleased to state :

(a) the names of the Indian leaders on
whose lives documentary films have been
produced so far by Government and the names
of those on whom documentary are going to
be produced in future

(b) the name of the religious educational
and historical figures on whom documentary
films are being produced; and

(c) what is the criterion for making such
documentary films ?

• [J English translation. 1—
30 R.S./70

THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF INFORMATION AND
BROADCASTING AND IN THE
DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS
(SHRI I. K. GUJRAL): (a) and (b) A
statement is laid on the table of the House
(See below).

(c) There are no fixed criteria for selecting
the subject for production of films. The
subjects are included in the Production
Programme consistent with the capacity and
resources of the Films Division.

STATEMENT

(a) The following are the names of the
Indian Leaders regarding whom documentary
films have been produced :

1. Lokmanya Tilak
2. Mahatma Gandhi
3. Lala Lajpat Rai
4. Sarvepalli Radhakrishnan
5. Sardar Patel
6. Jawahar Lai Nehru
7. Sardar Bhagat Singh
8. Shri Vinoba Bhave
9. Shri Lai Bahadur Shasta
10. Smt. Indira Gandhi
11. Shri C. N. Annadurai
12. Dr. Zakir Hussain

The following documentary films are on
our production schedule :

1. Netaji Subhas Chandra Bose
2. Pandit Jawahar Lai Nehru
3. Dr. Zakir Hussain
4. Deshbandhu C. R. Dass

(b) The following documentary films have
been produced on religious, educational
and historical figures :

1. Gotama Buddha
2. Swami Vivekananda
3. Acharya Jagdish Chandra Bose
4. Acharya Prafulla Chandra Ray
5. Dr. Rabindra Nath Tagore
6. Dr. Visvesvarayya
7. Dr. Karve
8. Kandukuri Veerasalingam Pantulu
9. Shriswathi Thirunal Maharaja

10. Sankararukku Oru Sodhanan
11. Akbar—as seen through paint.

†[सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री आई० के० गुजराल) : (क) तथा (ख) एक विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है। (नीचे देखिये)

(ग) फिल्म निर्माणार्थ विषयों का चयन करने के लिए कोई निश्चित कसौटी नहीं है। फिल्म प्रभाग की क्षमता और साधनों के अनुरूप ही विषयों को निर्माण कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

विवरण

(क) जिन भारतीय नेताओं के बारे में वृत्तचित्र बनाए गए हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं :—

1. लोकमान्य तिलक
2. महात्मा गांधी
3. लाला लाजपत राय
4. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
5. सरदार पटेल
6. जवाहरलाल नेहरू
7. सरदार भगत सिंह
8. श्री विनोबा भावे
9. श्री लाल बहादुर शास्त्री
10. श्रीमती इन्दिरा गांधी
11. श्री सी० एन० अन्नादुरै
12. डा० जाकिर हुसैन

निम्नलिखित वृत्त चित्र हमारी कार्यक्रम सूची में हैं :—

1. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
2. पण्डित जवाहर लाल नेहरू
3. डा० जाकिर हुसैन
4. देशबन्धु सी० आर० दास

† [] Hindi Translation.

(ख) धार्मिक, शैक्षणिक तथा ऐतिहासिक व्यक्तियों पर निम्नलिखित वृत्त चित्र बनाए गए हैं :—

1. मौतम बुद्ध
2. स्वामी विवेकानंद
3. आचार्य जगदीश चन्द्र बोस
4. आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राव
5. डा० रवीन्द्र नाथ टैगोर
6. डा० विश्वेश्वरैया
7. डा० कर्वे
8. कंदुदुरी वीरशालिगम्
9. श्री स्वाधी धिरूमल महाराज
10. शंकरारुक्मू ओरु सोधनन्
11. अकबर—रंग-चित्रों के माध्यम से।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : एक तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि भारतवर्ष एक ऐतिहासिक प्रधान देश है और सैकड़ों उसके महापुरुष हो गये हैं, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक। तो मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि सरकार स्वयं भी डाक्यूमेंटरी फिल्म तैयार करती है और प्राइवेट प्रोड्यूसरों से भी खरीदती है। सरकार ने जो सूचना दी है और जितने कम लोगों पर वृत्तचित्र तैयार किये गये हैं, उससे ऐसा लगता है कि इस देश के महान पुरुष के साथ अन्याय किया गया है, इसलिए मैं चाहता हूँ कि सरकार खुदीराम बोस, श्री अरविन्द, महाकवि कालिदास, महाकवि तुलसीदास, डा० भावे, संत तुकाराम आदि जसे जो महापुरुष हमारे देश में खो गये हैं, उनके संबंध में वृत्तचित्र बनाये; क्योंकि सरकार इस तरह के दर्जन चित्र जब स्वयं बनाती है और बाहर से भी खरीदती है, तो इन महापुरुषों के वृत्तचित्र क्यों नहीं बनाती है। जिस तरह से इन महापुरुषों के संबंध में जीवनी प्रकाशित हो चुकी है, उसी तरह से इन लोगों के संबंध में कब तक फिल्म तैयार होगी।

इसके साथ ही साथ मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूँ कि सरकार टेलीविजन सेट द्वारा फिल्म लोगों को दिखला रही है, तो क्या इसी तरह से देश के महापुरुषों के फिल्म तैयार करके भी जनता को दिखलायेगी ?

दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस तरह के फिल्म बनाने के बारे में आपने कोई क्राइटेरिया निर्धारित किया है, क्योंकि इससे सरकार की मशा के बारे में शंका उत्पन्न होती है कि सरकार अपने मन से जिसका वृत्त चित्र बनाना चाहती है बना लेती है और उन फिल्मों को नहीं बनाती है, जिसकी सचमुच में देश को आवश्यकता है। इसलिए सरकार क्या इस संबंध में कोई क्राइटेरिया फिक्स करेगी कि इस आधार पर वृत्त चित्र तैयार किये जायेंगे।

तीसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार ने डॉक्यूमेंटरी फिल्म तैयार करने का जो टारगेट रखा है, वह सालाना 90 वृत्त चित्र बनाने का है और वह 50 से अधिक नहीं बना सकती है, तो क्या सरकार इस टारगेट को निकट भविष्य में पूरा करने का प्रयास करेगी ?

SHRI L. K. GUJRAL : Sir so far as the making of films on various other personalities that my friend has mentioned, is concerned, I would only like to say that the reply to the main question pertains only to the names. Many documentary films have been taken which pertain to subjects, as, for instance, the honourable friend of may have seen a film in he recent past, which was very much appreciated, on Krishna Leela based on various paintings. In this reply (;tails have been given of the films on per; utilities. But Aims on subjects which pertain to personalities have also been made which are in good numbers. One thing which has to be kept in mind is that however much we may wish to make films on personalities that my honourable friend has mentioned, the difficulty is that the particular type of filmic material is not readily available to us. For everything, as, for instance, for writing a biography, a different type of material is needed. Similarly, a particular type of filmic material is needed for a documentary film. So far as the criterion

is concerned, my friend in his normal habit was trying to stress too much on raising doubts about the intention of the Government. The Government has no such intention. The Government is always aware of it and keeps itself in touch with what is needed in the country. Therefore, when films are made, there is no rigid criterion fixed because if there are any rigid rules, sometimes they make the artistic expression of artistic positions more difficult. So far as the third question of my honourable friend about the target of 90 films is concerned, I do not know how many films have been made during the current year ; but we attempt as far as possible to achieve the target that is fixed, that is, about 90 films. Out of the 90, we make about 60 to 70 ourselves and the rest are commissioned from outside.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि सरकार ने कोई रिजिड क्राइटेरिया इस बारे में फिक्स नहीं किया है, लेकिन मेरी समझ से ऐसे फिल्म तैयार किये जा सकते हैं जो प्रेरणादायक हों, बच्चों के जीवन को बनाने में लाभदायक हो और साथ ही ऐतिहासिक भी हों, इस तरह के फिल्म बनाने के संबंध में सरकार अवश्य सोचती होगी।

दूसरा सवाल सरकार के उत्तर से जो उत्पन्न हुआ है वह यह है कि सरकार का कहना है कि ऐतिहासिक और पर्सनेल्टी डॉक्यूमेंटरी पर फिल्म बनाये जा सकते हैं और दूसरे तरह के भी फिल्म तैयार किये जाते हैं। लेकिन मैं एक बात यह जानना चाहता हूँ कि कुछ कृषि और उद्योग के संबंध में भी फिल्म तैयार किये जाते हैं। औद्योगिक क्षेत्र में तो फिल्म दिखलाने की व्यवस्था है, लेकिन क्या सरकार कृषि से संबंधित जो चित्र होते हैं, उन्हें गांव में दिखलाने की व्यवस्था की है; क्योंकि आज देश में कृषि प्रयास पर और उसके विकास पर बहुत जोर दिया जा रहा है। तो क्या सरकार की ओर से कृषि पर आधारित वृत्त चित्र तैयार किये गये हैं और उन्हें ग्रामीण जनता को दिखलाया गया है ?

SHRI L. K. GUJRAL : Sir, I would only like to strongly recommend that my honourable friend may kindly see a few documentary films that have been made

The impression that I got from my friend's question is that he has seen very few film? or perhaps nothing- It will help him if he sees some of those films. The second point that I would like to make is that for showing documentary films in villages two things are done. One thing is that in all the Cinema houses there is a compulsory exhibition of a documentary film before the normal feature film is shown. The second thing is that we have field publicity units. These field publicity units are well equipped and they travel from village to village. In addition to this, we give these documentary films to the publicity units in the States also and they also show these films through their units. So far as the green revolution and other developmental activities are concerned, I do not have the full list of the films at the moment. But I can assure him that all these steps are taken as they should be taken. So far as inspiration to children, etc. is concerned, I can assure him that the films are made with that angle in view. For children alone there is such a thing called the Children's Film Society which the Government has set up and they concentrate on making films for children exclusively.

SHRI DALPAT SINGH : May I know whether the Government is considering making documentary films on the lives of our great heroes like Rana-pratap, Chatrapathi Shivaji and Guru Gobind Singh, who fought for the freedom of our country from the hands of the imperialist countries in those days ?

SHRI I. K. GUJRAL : The honourable Member must keep in mind that there are some subjects like Ranapratap which are more adequately dealt with by making a feature film rather than by making a documentary film. For a documentary film a different type of filmic material is needed. Therefore, my friend may have seen many feature films that have been made on them. We do take documentary films on some suitable subjects. But some subjects, however, respectable, do not lend themselves for documentary films.

SHRI DALPAT SINGH : Yes, you can take documentary film:- on suitable subjects only, on subjects which are suited to the times.

SHRI A. G. KULKARNI : I want to know whether the Government will consider as a measure of evaluation for making

documentary films certain persona) who have emerged in various States and who have practically changed the course and thinking of their respective States and also of the country as a whole. In this connection I want to give an example of my State...

MR. CHAIRMAN : Please put your question.

SHRI A. G. KULKARNI : I want to know whether the Government will make documentary films on the people who have changed the social thinking in their States. Particularly in my State, Mahatma Phule has changed the social thinking in Maharashtra. Along with that name I also mentioned about Dr. Karve who has changed the entire system of education, especially for women. I want to know whether the Government will consider these names.

SHRI I. K. GUJRAL : One thing I would like my friend to consider is that he is being very unfair to Dr. Karve and to Mr. Phule by calling them State leaders. They are national leaders. They do not belong to one State. They belong to India. Then whenever we take up the subject, we deal with it from the Indian point of view. If my friend has some suggestions, I am prepared to consider if he sends them to me.

SHRI LAL K. ADVANI : He has not given the criterion on the basis of which the subject is chosen. His reply just now itself seems to betray that there is some bias in respect of selection of the subjects. After all artistic criteria cannot be the basis for selection of the subjects. The concern for artistic portrayal, of course, can be understood, but that would come only after the film is selected. My friend has asked why films on Shivaji, Gum Govind Singh and Rana Pratap Singh were not produced and the reply was that these subjects are fit for feature films. I, however, find Akbar chosen as a theme for one of the documentaries. There has been a consistent criticism of the Government's approach in this matter particularly in regard to the revolutionaries who participated in the freedom struggle. I see here a long list of names. Sardar Bhagat Singh's is the only name in the list of to persons associated with contemporary history, who was a revolutionary. I have seen a publication of the Films Division,

printed in 1917. That did not include even Bhagat Singh's name. When was this produced? May I know whether there is any intention of producing further films on Arvind Khudi Ram and other revolutionaries also? Then in the second class of categories of films that are mentioned I find the names of Netaji Bose and Pandit Nehru. I would like to know the amount allocated for these two films because there has been a criticism that a paltry sum has been allotted for the film on Bose whereas a large sum has been allotted for Nehru's film.

SHRI I. K. GUJRAL : My friend tries to judge everything from the amount spent on a film. All these more expensive films do not make good films. My friend is thinking that: if big sums are spent on a film, perhaps that is a better film than film on which less money is spent. Whether it is a film on Netaji Bose or of anybody else, the main point is not that we are stingy on funds. We are willing to spend as much money on a film on a subject that is needed. Now for Bose's film, the allocation was about Rs. 80,000 because that is the producers' demand and if the Director wants only Rs. 80,000 could we ask him to take more? I do not have the actual figure for Nehru's film. I need notice for that.

SHRI LAL K. ADVANI : Is it Rs. 10 lakhs?

SHRI I. K. GUJRAL : It is not a fact and I may say that no documentary film has been made in India which is costing Rs. 10 lakhs on anybody.

SHRI PREM MANOHAR : He should give the exact figures.

SHRI I. K. GUJRAL : A documentary film on the average cost about Rs. 70,000 to Rs. 1 lakh or Rs. 1,20,000 varying with the length, subject and the filmic material already available and the new material having to be produced. This is the basic thing—So far as the subjects are concerned, he asked whether films are made on patriots. I would tell him that this is only of biographical documents. For instance, there is one on Sardar Bhagat Singh—More biographical films are being made. Similarly there is one in Kamaghatu Maru. I would be in a position to send him or lay on the Table a full list of documentaries made so far and that will meet his point.

MR. CHAIRMAN : Next question.

SHRI P. C. MITRA : Sir I rose earlier.

MR. CHAIRMAN : You caught my eye and there is a long list. We have taken 16 minutes over one question and that is the reason why I have not called you.

SHIFTING OF THE OFFICE OF D. P. S. IN BOLANGIR

◆267. SHRI K. C. PANDA : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is a proposal under Government's consideration for shifting the Divisional Postal Superintendent's Office in Bolangir to a new building; and

(b) if so, whether the rent for the building which is now occupied has been paid up to date, if not how much has been paid and what was the lease agreement executed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS, (PROF. SHER SINGH) : (a) There was a proposal but it has been dropped.

(b) Rent could not be paid so far as lease deed was not executed by the landlord and arrangements in the building to suit office working as promised have not been made. Rent will be paid as soon as these are settled.

SHRI K. C. PANDA : The bifurcation of this division which comprises a portion of Andhra Pradesh, a portion of Madhya Pradesh and two big districts of Orissa—Koraput, Kalahandi and Bolangir—was announced earlier to take effect from 1st April and so another building was taken on rent at Jaypore and after appeal no bifurcation was made. Will the Minister enlighten the House whether the owner of this building is not being paid rent and in addition pressure is being put on him by issuing eviction notice?